

---

# Shri Subrahmanya Ashtakam

श्रीसुब्रह्मण्याष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Shri SubrahmanyAshtakam 2

File name : subrahmaNyAShTakam2.itx

Category : aShTaka, subrahmanya

Location : doc\_subrahmanya

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan Iyer

Description/comments : 8 in Stotrasamuchchaya 1, Edited by Pandit K. Parameshwara Aithal

Latest update : January 2, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 2, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Subrahmanya Ashtakam

---

### श्रीसुब्रह्मण्याष्टकम्

---



नन्दनं तुङ्गिनशैलजापतेर्नन्दनीयथरितं षडाननम् ।  
सुन्दराङ्गमभिलातिभञ्जनं भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ १ ॥

शूरपद्ममुपदैत्यमर्दनं क्रूरभोगिविषनाशनं गुडम् ।  
वीरबाहुमुपवीरसेवितं भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ २ ॥

आश्रिताभिलजनावनोधतं सुश्रिताधननिवृत्तितत्प्रियम् ।  
आश्रितस्वजनलुङ्घितं भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ ३ ॥

यारुषण्णकुटमण्डिताननं दारुणाभिलजगद्विकृन्तनम् ।  
वारणाननसुहृत्सखोदरं भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ ४ ॥

धन्द्रजापतिमुमातनूढं यन्द्रकोटिसदृशद्युतिं शुभम् ।  
धन्द्रपूर्वसुरवृन्दवन्दितं भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ ५ ॥

अम्बिकावदनपद्मभास्करं भिम्बपङ्क्तकलसुन्दरावरम् ।  
तं भिलेशयत्रुपधारिणं भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ ६ ॥

भक्तपालपरिपालनोधतं त्यक्तदुष्टजनमिष्टसिद्धिदम् ।  
युक्तमार्गनिरतप्रियं सदा भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ ७ ॥


सत्यधिष्ठनमुदारविह्वलं नित्यमग्रमभिलेश्वरं प्रभुम् ।  
भृत्यलुत्तिमिरसन्धभञ्जनं भावयाम्यभिलरोगशान्तये ॥ ८ ॥

नित्यमेव लुटि षण्मुष्णं स्मरन् यः पठेद्विदमनन्यमानसः ।  
रोगनाशनकरं स मानुषः सर्वरोगरहितः सुधी भवेत् ॥ ९ ॥


इति श्रीसुब्रह्मण्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Profread by Sivakumar Thyagarajan Iyer

---

——  
*Shri Subrahmanya Ashtakam*

pdf was typeset on January 2, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

